पाक रूह और खबीस रूह (नेक इन्सान और बदकार आदमी)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

नोट: नीचे दी गई तमाम रिवायते, हदीष का खुलासा है.

इब्ने माजा, रावी अबू हुरैरह रदी.

खुलासा: रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जब किसी आदमी की मौत करीब होती हे तो फरिश्ते उसके करीब आते हे. अगर मरने वाला आदमी नेक इन्सान हे तो फरिश्ते कहते ह ऐ पाक रूह! जो पाक जिस्म मे हे बाहर आ जा, तू काबिले तारीफ हे, अल्लाह की रहमत, उसके इनामात और नाराज़ न होने वाले रब से खुश हो जा, उसको लगातार ये कलिमात कहे जाते हे यहा तक कि रूह जिस्म से बाहर आ जाती हे.

फिर रूह को आसमान की तरफ लेजाया जाता हे, उसके लिये आसमान का दरवाज़ा खोल दिया जाता हे, मालूम किया जाता हे कि यह कौन खुशनसीब रूह हे? फरिश्ते बताते हे कि फला हे, कहा जाता हे कि पाकीज़ा रूह के लिये खुश-आमदीद (आना

मुबारक) हो जो पाक जिस्म मे रही, जन्नत मे दाखिल हो जा, तू तारीफ के लायक हे और तू अल्लाह की रहमत, उसके इनामात और नाराज़ न होने वाले रब से खुश हो जा, उसको लगातार ये कलिमात कहे जाते हे यहा तक कि रूह उस आसमान तक पहूंच जाती हे, जिसमे अल्लाह सुब्हानहू व तआला हे.

जब बदकार आदमी मरता हे तो फरिश्ता कहता हे ऐ खबीस रूह! जो नापाक जिस्म मे हे तू बुराई के काबिल हे, बाहर निकल आ, गर्म पानी, पीप और इस किस्म के दूसरे अज़ाबों की सूचना कुबूल कर, उसको लगातार यही कलिमात कहे जाते हे यहा तक कि रूह बाहर निकल आती हे, फिर उसको आसमान की तरफ चढाया जाता हे, उसके लिये आसमान का दरवाज़ा खोलने का मुतालबा होता हे, मालूम किया जाता हे कि यह कौन बदबख्त रूह हे? जवाब मे बताया जाता हे कि फला हे, तो उसके लिये पैगाम मिलता हे कि खबीस रूह को खुश-आमदीद न हो, जो नापाक जिस्म मे थी, तू वापस चली जा, तू बुराई के काबिल हे, तेरे लिये आसमान के दरवाज़े नहीं खुल सकते, चुनांचे उसको आसमान से वापस भेज दिया जाता हे, फिर वह कियामत कायम होने तक कबर मे ही रहती हे.